दिनांक :– 01.06.2023

सेवा में,
आदरणींय श्रीमती मीनाक्षी लेखी जी
केन्द्रीय संस्कृति राज्यमंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली।

विषयः– **ब्रज क्षेत्र (आगरा, मथुरा, वृन्दावन, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, बटेश्वर, धौलपुर, भरतपुर एवं हाथरस) में ब्रज संस्कृति के संरक्षण एवं प्रोत्साहन हेतु ब्रज क्षेत्र में 'ब्रज महोत्सव' आयोजित कराने एवं ब्रज साहित्य अकादमी की स्थापना हेतु प्रतिवेदन।**

आदरणींय महोदया,

नेशनल चैम्बर ऑफ इण्डस्ट्रीज एण्ड कॉमर्स, यूपी, आगरा की ओर से हम आपका हार्दिक अभिनन्दन करते हैं। नेशनल चैम्बर ऑफ इण्डस्ट्रीज एण्ड कॉमर्स, यूपी आगरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग एवं व्यापार की एक संघीय एवं शीर्ष संस्था है एवं वर्ष 1949 में स्थापित, 74 वर्ष से निरन्तर कार्यरत है। इसमें 1600 से अधिक औद्योगिक एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान जो आगरा जनपद एवं आस पास के जनपदों में स्थित हैं, सदस्य हैं। 25 विभिन्न प्रमुख व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठन भी चैम्बर के सम्बद्ध सदस्य हैं।

हमें बड़ी प्रसन्नता है कि ब्रज क्षेत्र की ब्रज संस्कृति के संरक्षण एवं विकास के लिये आप पूरी तरह प्रयासरत हैं। ब्रज क्षेत्र की बहुमूल्य धरोहरों एवं संस्कृति को भारत एवं विश्व पटल पर पहुंचाने हेतु आपसे निम्न निवेदन करना चाहते हैंः–

आगरा , मथुरा एवं वृन्दावन में प्रति वर्ष संयुक्त रूप से ब्रज महोत्सव आयोजित कराया जाये

ब्रज क्षेत्र एवं संस्कृति का भारतीय संस्कृति, धरोहर एवं परम्परा पर गहरी अमिट छाप है। यह क्षेत्र भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली एवं कर्मस्थली की पृष्ठभूमि है जिसका अनेकों भारतीय मान्यताओं, पौराणिंक सन्दर्भों एवं महापुराणों जैसे महाभारत, विष्णु महापुराण एवं श्रीमद भागवतम महापुरांण में वर्णन किया गया है।

(क) इस जीवन्त ब्रज संस्कृति के संरक्षण एवं प्रोत्साहन हेतु , भारतीय सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आगरा, मथुरा एवं वृन्दावन में , संयुक्त रूप से , प्रतिवर्ष श्रावण मास के महीने में ब्रज महोत्सव आयोजित कराया जाये। इस ब्रज महोत्सव में भगवान श्री कृष्ण एवं ब्रज संस्कृति को मध्य में रख अनेकों निम्न कार्यक्रम आयोजित कराये जायें :–

(ख) ब्रज क्षेत्र में अनेकों नित्य शैलियां प्रचलित हैं जैसे चर्कुला नृत्य, रास लीला, रसिया एवं मयूर नृत्य प्रमुख हैं। इन नृत्यों के प्रोत्साहन हेतु ब्रज महोत्सव के दौरान इनका प्रदर्शन किया जाये जिससे अधिक से अधिक पर्यटक इन नृत्य शैलियों से प्रभावित हो सके।

(ग) ब्रज क्षेत्र में अनेकों हस्त शिल्प कलायें प्रचलित हैं जिन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी ब्रज क्षेत्र के निवासी संरक्षित करके रखे हुये हैं जैसे संझी कला, श्री राधा कृष्ण एवं सालिगराम की मूर्ति को तराशने की कला एवं ईष्ट देवों के चांदी के आभूषण एवं वस्त्र को बनाने की कला। इन हस्त शिल्प की कलाओं से निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी लगा इनको प्रोत्साहित करना अति आवश्यक है।

(घ) ब्रज क्षेत्र स्वामी श्री हरिदास जी, जो कि मशहूर कृष्णोपासक, कवि एवं शास्त्रीय संगीतकार थे, कि भी जन्मस्थली एवं कर्मस्थली है। स्वामी श्री हरिदास जी ने अनेकों कृष्णा भक्ति से पूर्ण तिरवत , रागमालायें एवं

अनेको अन्य संगीत रूपों की रचना करी। वह महान संगीतकार तानसेन एवं बैजू बावरा के गुरु भी थे । ब्रज महोत्सव के दौरान स्वामी श्री हरिदास संगीत समारोह आयोजित कराया जाये जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत के संगीतज्ञों के संगीत कार्यक्रम आयोजित कराये जायें जिससे ब्रज संस्कृति जीवन्त रहे।

(ङ) ब्रज महोत्सव मे आगरा एवं मथुरा के प्रेक्षागृह मे भगवन श्री कृष्णा के जीवन पर आधारित प्रसिद्द रंगमचकर्मियो एवं संस्थाओ दवारा रंगमच कार्यक्रम जैसे श्रीराम भारतीय कला केंद्र द्वारा आयोजित 'कृष्णा' हिरेन परपानी दवारा निर्देशित 'सथवारो राधे श्याम नो' एवं सोमनाथ पवार द्वारा निर्देशित 'श्री कृष्णा अवतार' का सजीव मंचन होना चाइये।

आगरा में ब्रज भाषा के प्रोत्साहन के लिए केंद्र सरकार द्वारा ब्रज साहित्य अकादमी की स्थापना

ब्रज भाषा कृष्ण की भक्ति से परिपूर्ण मधुर भाषा है जिसे अनेको महान कवियों एवं साहित्यकारों ने अपनी सरचनाओ मे बखूबी प्रयोग करा है जैसे सूरदास, तुलसीदास, रसखान, आमिर खुसरो एवं काका हाथरसी । वर्तमान मे अशोक चक्रधर , श्याम सुन्दर अकिंचन, सुनील सरल डॉ. सुशीला शील इत्यादि अनेको कवि ब्रज भाषा के प्रचार प्रसार मे समर्पित है । ब्रज भाषा के प्रोत्साहन के लिए केंद्र सरकार द्वारा आगरा मे ब्रज साहित्य अकादमी की स्थापना करनी चाहिए जिसमे ब्रज भाषा के प्रचार के लिए नए लेखकों, कवियों एवं साहित्यकारों का प्रशिक्षण हो सके एवं ब्रज भाषा की पत्रिका का मुद्रण एवं विभिन्न कवि सम्मलेनं , सम्मान एवं पुरूस्कार समारोह जैसे महत्वपूर्ण कार्य आयोजित कर सके।

प्रार्थना

महोदया जी से सविनय निवेदन है की ब्रज संस्कृति के प्रोत्साहन के लिए आगरा मथुरा एवं वृन्दावन क्षेत्र मे सयुक्त रूप से ब्रज महोत्सव आयोजित कराया जाना अति आवशयक है जिससे ब्रज क्षेत्र के नृत्य , हस्त शिप कलाएं, व्यंजन, संगीत एवं रंगमंच कार्यक्रम का प्रचार प्रसार हो सके। आगरा मे ब्रज कला अकादमी की स्थापना से ब्रज भाषा का पुनः प्रवर्तन हो सकेगा जिससे ब्रज भाषा अपनी अतीत के गौरवशाली दौर की तरह फिर एक बार स्थापित हो पायेगी ।

सादर

भवदीय

(राजेश गोयल)
अध्यक्ष

(राहुल जैन)
को चेयरमैन – संस्कृति एवं पर्यटन विकास प्रकोष्ठ